Welland Gouldsmith School
2nd Language Hindi
Class- V

पाठ — भूकम्प भूकम्प

एक दिन रात के तीन बजे घर के सारे समान हिलने लगे और सब लोग अपने अपने घरों से बाहर निकलने लगे । मानव अपने पिता से भूकम्प के बारे में पूछने लगा । पिता जी ने कहा यह कैसे आता है, यह मूझे नही पता परंतु हिमालय की चट्टानों के खिसकने से भूकम्प आता है । समाचार पत्र से पता चला था कि उत्तराखंड के गढ़वाल जिले पर इस भूकम्प का सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ा था । अनेक मकान गिर गए । गंगा नदी में बड़ी-बड़ी चट्टानों के गिरने से पानी का बहाव रूक गया और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई । अनेक जान-माल की हानि हुई । ज्वालामुखी के फटने से भी भूकम्प आता है । जापान में ज्वालामुखी पर्वत बहुत है, इसलिए यहाँ प्रायः भूकम्प आते है । मानव के पिता ने मानव को समझाया कि भूकम्प के खतरे से लोगों को बचाने के लिए सैनिक जहाजों और हैलिकप्टर की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाते हैं । चिकित्सा भी की जाती है । खाने-पीने के सामान वस्त्र आदि भी दुर्गम इलाकों में पहुँचाए जाते हैं । लोगों धनराशी देकर भूकम्प पीड़ितों की मदद करते हैं । स्वयंसेवी संघ भी पीड़ितों की मदद के लिए आती है ।

क. शुद्ध उच्चारण शब्दों को तीन-तीन बार लिखें -

ख. शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाएँ -

1. नतमस्तक 3. पुनः 5. आवागमन
2. दुष्प्रभाव 4. ध्वस्त

ग. भूकम्प जैसी आपदा आने पर कौन और कैसे लोगों की सेवा करते हैं ?

घ. बाढ़ का खतरा क्यों पैदा हो गया था ?

गृह कार्य (Home work)

क. जापान मे भूकम्प अधिक क्यों आते है ?

ख. कम से कम शब्दों में उत्तर लिखिए --

1. लोग घरों से बाहर क्यों निकल आए थे ?
2. किस जिले में भूकम्प का सबसे अधिक प्रभाव था ?
3. भूकम्प की अधिकतम और निम्नतम तीव्रता क्या-क्या होती है ?
4. किन्हीं तीन प्राकृतिक आपदाओं के नाम लिखें ।

ग. खाली स्थ्यान भरिए --

1. भगवान की शक्ति के सामने हम ------- है ।
2. भूकम्प का आरम्भ -------- से हुआ ।
3. बसों और ट्रकों का ------- रूक गया ।

Note: प्रश्न सहित उत्तरों को अभ्यास पुस्तिका (Exercise Book) में लिखना है ।

---------- x ----------